Year	Name of the workshop/ seminar/ conference	Number of Participants	Date From – To	Photograph	Event Details (Report)
2022	Self-Grooming	109	22/8/2022 - 27/8/2022		Six day grooming sessions were organized for the newly admitted students sothat they can adjust themselves from school education to higher education. The grooming sessions included physical and mental grooming both. The sessions were conducted with the help of MoU partners like INIFD, BitCode etc. During the sessions student learnt the importance of communication skills, computer skills, personality development etc. In other session students learned the dressing sense and professional make-up tips.
2022	Current IT Sector	64	29/09/2022		One day seminar on Current IT Sector was conducted by BitCode at our college campus to aware about current-trends in computer fields. What should be courses and process to get jobs in multinational companies, were discussed during the session.

2022	One day workshop on global exchange of technology and knowledge	75	10/10/2022		पोलैंड की लिबर्टी स्टील की तकनीकी टीम के प्रमुख लेसेक यासेक ने कहा कि क्षेत्र उच्च शिक्षा का हो या तकनीकी शिक्षा का, भाषा कभी इसके आड़े नहीं आ सकती. उन्होंने कहा कि तमाम योरोपीय देश अपनी अपनी भाषा में ही अध्ययन-अध्यापन करते हैं. जापान और चीन भी अपनी भाषा में ही काम करते हैं. इसके बावजूद ये सभी देश तकनीकी रूप से उन्नत देशों में शुमार हैं. इससे ज्ञान ज्यादा पुख्ता होगा. कामकाज आसान होगा. तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा श्री यासेक एमजे कालेज के फार्मेसी विद्यार्थियों से चर्चा कर रहे थे. महाविद्यालय की निदेशक डॉ श्रीलेखा विरुलकर के आमंत्रण पर यहां पहुंचे श्री यासेक ने कहा कि कोविड काल में देशों ने सामूहिक और व्यक्तिगत रूप से काम किया. भारत ने दोनों ही क्षेत्रों में बाजी मारी. यहां दो-दो वैक्सीन्स का इजाद हुआ जिसमें से एक में अंतरराष्ट्रीय सहयोग था तो एक पूरी तरह से निजी था. भारत का ज्ञान पश्चिम को भी प्रेरित करता है, उसका मार्गदर्शन भी करता है. भारत इसमें और अच्छा प्रदर्शन कर सकता है. श्री यासेक ने अपनी पूरी बात पॉलिश भाषा में ही रखी. उनकी बातों का अंग्रेजी में अनुवाद उनकी सहयोगी दुभाषिया जोआना पिरकोज पेट्रीसिया ने किया. इससे पूर्व उन्होंने फार्मेसी कालेज के मेडिसिन गार्डन का भ्रमण किया और वहां के पौधों तथा उनके औषधीय गुणों की जानकारी ली. उन्होंने फार्मेसी कालेज का लैब भी देखा और कुछ रचनात्मक सुझाव भी दिये. उन्होंने बच्चों को नया सोचने और उसे पूरा करने के लिए पागलपन की हद तक जाने का सुझाव दिया. इस अवसर पर फार्मेसी कालेज के प्राचार्य डॉ विजेन्द्र सूर्यवंशी, व्याख्याता राहुल सिंह, माधुरी साहू, चंद्रिका अहीरवार, पंकज साहू, प्रतीक्षा फुलझेले, अंजलि वाहने, रीता चानना, गायत्री देशलहरे, मनीषा चंद्राकर, वीरेन्द्र वाल्डेकर, प्रमिला, वर्षा साहू, आदि उपस्थित थे.

2023	Intellectual Property Rights (IPR) & Patents and Design Filing	135	03/02/2023	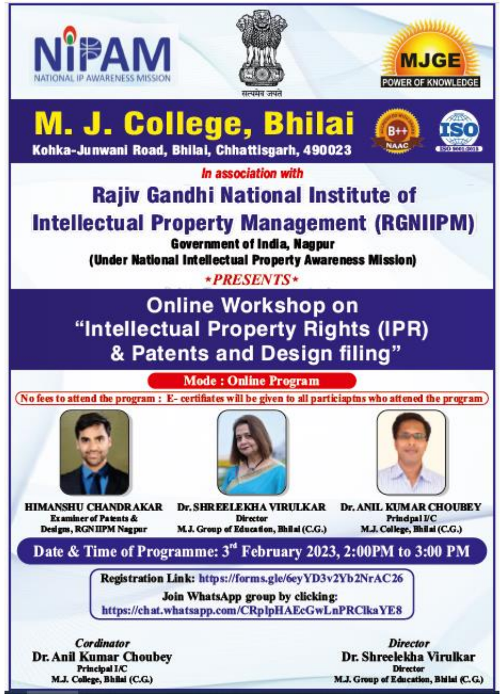	बौद्धिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए उनका पंजीयन कराना होता है. पंजीयन पश्चात बौद्धिक संपदा पर आपके अधिकार आवेदन तिथि से लागू हो जाते हैं. इस अवधि में यदि किसी ने आपकी बौद्धिक संपदा का उपयोग किया है तो आप न्यायालय जाकर उससे अपने हिस्से की वसूली कर सकते हैं. उक्त बातें आज बौद्धिक संपदा की सुरक्षा पर आयोजित एक वेबीनार में राजीव गांधी नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटेलेक्चुअल प्रापर्टी मैनेजमेंट के एक्जामिनर हिमांशु चन्द्राकर ने कहीं. श्री चन्द्राकर एमजे कालेज द्वारा आयोजित इस वेबीनार को विषय विशेषज्ञ के रूप में संबोधित कर रहे थे. एमजे समूह की निदेशक डॉ श्रीलेखा विरुलकर की प्रेरणा से प्राचार्य डॉ अनिल कुमार चौबे के मार्गदर्शन में यह आयोजन किया गया था. आरंभ में स्वागत भाषण विज्ञान संकाय की ममता एस राहुल ने दिया. डॉ चौबे ने विषय प्रवेश कराते हुए कॉपीराइट, पेटेंट, आदि का उल्लेख करते हुए बौद्धिक संपदा को परिभाषित किया. श्री चन्द्राकर ने कहा कि बौद्धिक अधिकार पर क्लेम उसी देश में मिल सकता है जिस देश में उसका पंजीयन कराया गया हो. आज सबसे ज्यादा 14 लाख पेटेन्ट चीन में रजिस्टर किये जाते हैं. यूएस में 6 लाख 21 हजार से अधिक, जापान में 3 लाख 7 हजार, कोरिया में लगभग 2 लाख 19 हजार और भारत में केवल 53 हजार 627 पेटेंट आवेदन दाखिल किये जाते हैं. बौद्धिक संपदा को परिभाषित करते हुए उन्होंने कहा कि ये दोनों टैंजीबल और इंटैंजिबल दोनों प्रकार के हो सकते हैं. इसके अंतर्गत पेटेंट, डिजाइन, ट्रेड मार्क, जीयोग्राफिक इंडीकेशन, कॉपीराइट, सेमीकण्डक्टर इंटीग्रेटेड सर्किट लेआउट, प्रोटेक्शन ऑफ प्लाट वैरायटीज एंड फार्मर्स राइट्स जैसे विषय शामिल हैं. ये सभी बौद्धिक संपदा हो सकते हैं. आपको इनपर कमाई करने का अधिकार होता है. पर यह तभी संभव है जब आप इनका पंजीयन कराएं.

					पंजीयन की प्रक्रिया को ऑनलाइन या ऑफलाइन पूरा किया जा सकता है. इसमें कोई त्रुटि होने पर उन्हें सुधारने का मौका दिया जाता है. पेटेन्ट या कॉपीराइट एक निश्चित अवधि के लिए होता पर इस अवधि में भी सालाना उसका नवीनीकरण करना होता है. आवेदन करने के बाद कॉपीराइट या पेटेन्ट प्राप्त होने तक इसा आम नहीं करना चाहिए. यदि कर भी दिया है और कोई इसका उपयोग बिना अनुमति कर रहा है तो आप ज्यादा कुछ नहीं कर सकते. पर एक बार प्रमाणपत्र मिल जाने के बाद आप उनसे वसूली के लिए न्यायालय में वाद प्रस्तुत कर सकते हैं. यह अधिकार आपके द्वारा किए गए आवेदन की तिथि से लागू हो जाता है.